अमर उजाला/8/02/2023

# शिक्षा सार्थक साधन, समाज में किया जा सकता है परिवर्तन

जीएमएन कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान चर्चा करते शिक्षक। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

**अंबाला।** गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज छावनी प्रांगण में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरूआत प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त के अविभाषण से हुई। संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र के संसाधन व्यक्ति राजकीय फर्स्ट ग्रेड कॉलेज बेंगलुरु के भाषा संपादक नैक प्रो. शेषगिरी रहे। उन्होंने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वर्तमान में पूर्णतः अनुकूल है। शिक्षा एक ऐसा सार्थक साधन है, जिसके माध्यम से समाज में सहजता से परिवर्तन स्थापित किया जा सकता है।

वर्तमान सरकार का यह एक सराहनीय कदम है। इसके माध्यम से शिक्षा के स्तर और स्वरूप में एक नवीनीकरण स्थापित हुआ है। यह समाज के लोगों में अधिक से अधिक कुशलता और दक्षता स्थापित करने में सहायक होगी।

संगोष्ठी के चौथे तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय पटियाला के पूर्व कुलसचिव प्रो. मनजीत सिंह रहे। डॉ. सिंह ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विचार साझा करते हुए कहा कि इस नवीन शिक्षा नीति में जो प्रतिमान निर्धारित किए हैं वह युवाओं में एक विशेष दक्षता को स्थापित करेगी। डॉ. रवनीत कौर ने संगोष्ठी के विषय की सार्थकता को एक संक्षिप्त रिपोर्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसमें राष्ट्र के विभिन्न भागों से ऑनलाइन और ऑफलाइन अपने शोध पत्रों की प्रस्तुति दी गई।